REPORT ON A SEMINAR CONDUCTED BY DEPARTMENT OF ZOOLOGY (C.O.E. SANJAULI) IN COLLABORATION WITH EXPERIMENTAL PHARMACOLOGY LABORTARY (EPL) PGIMER, CHANDIGARH

TOPIC – ANTIMICROBIAL AWARENESS

DATE – NOVEMBER 21, 2022

On the occasion of WORLD **ANTIMICROBIAL AWARENESS WEEK** being celebrated from 18-24 November a seminar was organized by**DEPARTMENT OF ZOOLOGY (C.O.E. SANJAULI)** in collaboration with **EXPERIMENTAL PHARMACOLOGY LABORTARY (EPL) PGIMER, CHANDIGARH** to spread awareness onANTIMICROBIAL RESISTANCE. The dignitaries were **Professor Bikash Mehdi, Dr Ajay Prakash**accompanied by **Dr Deeksha Salaria** and **EngineerRajan Raulta**.Dr Minakshi Sharma (HOD Zoology) welcomed all. The lecture focused on spreading awareness on antimicrobial resistance and its prevention. The programme started at 5:30 p.m. with the welcome address given by Dr Deeksha. Opening remarks and introduction of the programme was given by Professor Bikash. He welcomed all the subject experts, researchers, students and expressed his gratitude towards **Dr CB Mehta (Principal C.O.E. Govt. College Sanjauli)** for giving an opportunity to organize a lecture during the WORLD ANTIMICROBIAL AWARENESS WEEK. Professor Bikash emphasized on the need of awareness on Antimicrobial Resistance, the increasing problems we will face in future due to it

and how to prevent such problems. Engineer Rajan gave a presentation on ‘Preventing Antimicrobial Resistance Together’. He talked about Antimicrobial Resistance, cause of antimicrobial resistance, its alarming statistics, how it spreads and itsmechanism.He made us aware about the various drivers of Antimicrobial Resistance and also explained the ways we can avoid them. He also told about the harmful reaction of antibiotics and adverse drug reaction. He also provided the site (www.eplpgi.in) and contact number (**0172-2755250**) to report cases of Antimicrobial Resistance (AMR).After the presentation queries regarding antimicrobial resistance were answered by Professor Bikash. The lecture ended at 6:20 p.m. Vote of Thanks was given by Dr Shweta and Dr Shivani.

Media coverage

AwaazJanadesh 23rd November,2022

सेंटर ऑफ एक्सिलेंस राजकीय महाविद्यालय संजौली में रोगाणुरोधी जागरूकता का आयोजन

दैनिक आवाज जनादेश

शिमला: विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह के अवसर पर एक्सपेरिमेंटल फामाकोलॉजी प्रयोगशाला, फामाकोलॉजी विभाग पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा एक ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया था। जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित है' इस जागरूकता वायख्यान की शुरूआत डॉ दीक्षा सलारिया ने वर्ल्ड एंटीमाइक्रोबियल अवेयरनेस वीक पर प्रकाश डालते हुए की उसके उपरान्त आचार्य बीकाश मेधि व डॉ अजय प्रकाश ने छात्रों को एंटीबायोटिक के सही इस्तेमाल के बारे में बताया। साथ ही साथ उन्होंने दवाओं की गुणवत्ता के बारे में भी अपने विचार रखे। उसके उपरान्त युवा शोधकर्ता राजन रोल्टा ने रोगाणुरोधी जागरूकता पर छात्रों को जागरूक किया। रोल्टा का कहना है की आने वाले समय में एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस एक साइलेंट पेंडेमिक हो सकता है। रोल्टा ने कहा कि कभी भी एंटीबायोटिक का दुरुपयोग न करें, चिकित्सक की सलाह के बिना एंटीबायटिक्स न ले, और एंटीबायोटिक का कोर्स पूरा करें, केमिस्ट की सलाह पर साथ ही साथ उन्होंने ने दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में जानकारी दी और उन्होंने कहा की कभी भी दवाओं का प्रतिकूल प्रभाव हो तो आप उसे (www.eplpgi.in, 0172-2755250 (PGI AMC Centre, 1800-180-3024 toll-free no.) पर सम्पर्क कर सकते है।

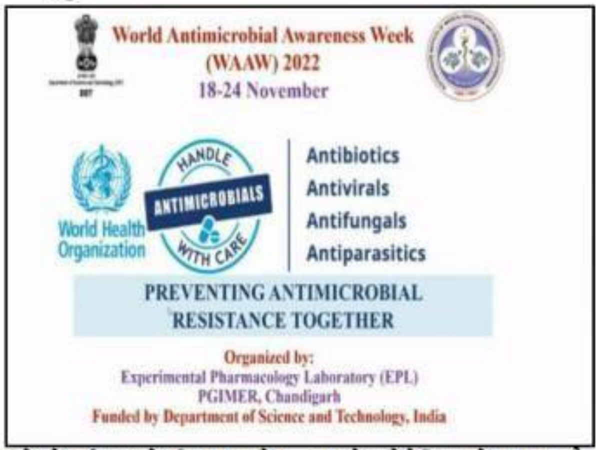

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सी बी मेहता और डॉ शवेता जी का कहना है की संजौली विश्विधालय आने वाले समय में लोगों को एंटीबायोटिक के सही इस्तेमाल पर जागरूक करेंगे है इस जागरूकता अभियान में आचार्य बिकाश मेधि, सह आचार्य अजय प्रकाश और डॉ वरुण विशेष रूप से मौजूद रहें।

Divya Himachal,23rd November-2022

संजौली कालेज में विश्व रोगाणुरोध पर अलख

स्टाफ रिपोर्टर—शिमला

विश्व रोगाणुरोध जागरूकता सप्ताह के अवसर पर एक्सपेरिमेंटल फार्माकोलॉजी प्रयोगशाला, फार्माकोलॉजी विभाग पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा एक ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित है। इस जागरूकता वायख्यान की शुरूआत डा. दीक्षा सलारिया ने वर्ल्ड एंटीमाइक्रोबियल अवेयरनेस वीक से की। उसके बाद आचार्य बीकाश मेधि व डॉ अजय प्रकाश ने छात्रों को एंटीबायोटिक के सही इस्तेमाल के बारे में बताया। साथ ही साथ उन्होंने दवाओं की गुणवत्ता के बारे में भी अपने विचार रखे। उसके बाद युवा शोधकर्ता राजन रोल्टा ने रोगाणुरोध जागरूकता पर छात्रों को जागरूक किया। रोल्टा का कहना है की आने वाले समय में एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस एक साइलेंट पेंडेमिक हो सकता है। कभी भी एंटीबायोटिक का दुरुपयोग न करें, चिकित्सक की सलाह के बिना एंटीबायटिक्स न ले, और एंटीबायोटिक का कोर्स पूरा करें। उन्होंने दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में जानकारी दी। इस जागरूकता अभियान में आचार्य विकाश मेधि, सह आचार्य अजय प्रकाश, डा. मीनाक्षी, प्रोफेसर शिवानी,डा अनुज प्रोफेसर शालू और डा. वरुण मौजूद रहे।

AmarUjala,23rd November (2022)

डॉक्टर की सलाह पर लें एंटीबायोटिक दवा

शिमला। राजधानी के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस संजौली कॉलेज में मनाए जा रहे विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह के तहत मंगलवार को ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। इसमें एक्सपेरिमेंटल फर्माकोलॉजी प्रयोगशाला और फर्माकोलॉजी विभाग पीजीआई एमईआर चंडीगढ़ ने सहयोग किया।

डॉ. दीक्षा सलारिया ने वर्ल्ड एंटीमाइकोबियल अवेयरनेस वीक पर प्रकाश डाला। प्रो. बीकाश मेधिव और डॉ. अजय प्रकाश ने एंटीबायोटिक के सही इस्तेमाल बारे जानकारी दी। कहा कि चिकित्सक की सलाह के बिना एंटीबायटिक दवाएं न लें। कॉलेज प्राचार्य डॉ .सीबी मेहता और डॉ. श्वेता ने भी लोगों को एंटीबायोटिक के सही इस्तेमाल बारे जागरूक किया। इस मौके पर प्रो. बीकाश मेधी सह आचार्य अजय प्रकाश, डॉ. मीनाक्षी, प्रो. शिवानी, डॉ. अनुज प्रो. शालू और डॉ. विशेष रूप में मौजूद रहे। ब्यूरो